स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० सुशीला नायर) : (क) जी नहीं। 8 नवम्बर, 1966 से वे अपने काम पर वापस आ गई हैं।

(ख) नर्सिंग सिस्टरों में से एक पर एक गैलन डिटोल चोरी का आरोप लगाया गया था। यह मामला पुलिस को सौंपा गया था जिसने उस सम्बन्धित नर्स को जब वह छुट्टी पर थी अपनी हिरासत में ले लिया था। नर्सों ने अन्य बातों के साथ यह मांग रखी थी कि यह मामला पुलिस को देने के बजाय इसमें विभागीय कार्यवाही की जानी चाहिए थी।

(ग) नर्सों के प्रतिनिधि अधिकारियों से और बाद मे मन्त्री से मिले और हड़ताल समाप्त कर दी।

लगान को समाप्त करना

***350. श्री किशन पटनायक :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या **योजना तथा समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या योजना आयोग ने लगान की समाप्ति के बारे में राज्यों के मार्ग दर्शन के लिए निदेशक सिद्धान्त अन्तिम रूप से तय कर लिये हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस विषय में राज्य सरकारों की क्या प्रतिक्रिया है ?

योजना तथा समाज कल्याण मं (श्री अशोक मेहता)

(क) योजना आयोग ने इस प्रकार के निदेशक सिद्धान्त तैयार करने का कोई काम हाथ में नहीं लिया है।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता।

गंगानगर (राजस्थान) में बाढ़ के कारण हानि

***352. श्री प० ला० बारुपाल : क्या सिंचाई तथा विद्युत्** मंत्री यह बतानेकी कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि घग्गर नदी की बाढ़ के कारण राजस्थान के गंगानगर जिले में फसलों, रेलवे तथा परिवहन को वहुत क्षति पहुंची है, जिसके परिणामस्वरूप लोगों को भारी नुकसान हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है;

(ग) इस प्रकार की बाढ़ से प्रति वर्ष कितनी क्षति होती है और इस क्षेत्र में सामान्य स्थिति लाने के लिये सरकार ने कितना धन खर्च किया है; और

(घ) इस स्थिति का सामना करने के लिये सरकार का क्या स्थायी उपाय करने का विचार है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० कृ० ल० राव) : (क) से (घ). पिछले कुछ वर्षों से घग्गर नदी की बाढ़ों की तीव्रता और उनका परिणाम बढ़ गया है और इस के कारण राजस्थान के फसलों, सम्पत्ति तथा संचार सेवाओं की वर्ष प्रतिवर्ष भिन्न भिन्न मात्रा में क्षति पहुंची। 1960-61 से 1964-65 तक फसलों, आवासों तथा अन्य सम्पत्ति को पहुंची औसतन वार्षिक क्षति तथा संचार सेवा में और सिंचाई नहरों आदि की बहाली पर हुआ खर्च लगभग 54 लाख रुपये है।

बाढ़ से होने वाली क्षति को कम करने के लिये घग्गर नदी के बाढ़ के 12,000 क्यूसेक पानी को सूरतगढ़ के पश्चिम में रेतीले टीलों की खाइयों में मोड़ने के लिये 1965 में एक योजना स्वीकार की गई थी। इस योजना पर 427 लाख रुपये खर्च होने का अनुमा और यह निर्माण